आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 | अंक-14, | भोपाल, सोमवार, 1 से 7 मई 2017 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

चीन में 5 मई को रिलीज होगी 'दंगल', प्रचार के लिए रवाना हुए आमिर खान

नई दिल्ली। आमिर खान की फिल्म 'दंगल' चीन में 5 मई को रिलीज हो रही है. आमिर खान इस क्षेत्र के साथ एक विशेष संबंध साझा करते हैं, क्योंकि आमिर की फिल्में 'पीके', '3 इडियट्स' और 'धूम 3' चीन बॉक्स ऑफिस पर गैर चीनी फ़िल्म होने के बावजूद शीर्ष तीन उच्चतम श्रेणी में अपनी जगह बनाने में कामयाब हुई थी. आमिर की फिल्म 'पीके' चीन में सर्वश्रेष्ठ उच्चतम कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का खिताब भी अपने नाम कर चुकी है, फ़िल्म ने 140 करोड़ की मोटी कमाई बॉक्स ऑफिस पर दर्ज कराई और फ़िल्म को 4000 स्क्रीन के विशाल पैमाने पर रिलीज किया गया था. यहां तक कि आमिर की फ़िल्म '3 इडियट्स' को भी चीन में बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया था, यह 1970 दशक के बाद कि पहली भारतीय फिल्म थी जिसे चीन में सार्वजनिक रूप में जारी किया गया था, दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म ने चीन के मशहूर कामकाजी छात्रों के साथ एक ताकतवर झंकार किया, यहां तक फिल्म को उनकी कक्षाओं में तनाव-राहत के रूप में भी निर्धारित किया गया था.

अब आमिर की नवीनतम रिहाई, 'दंगल' एक बड़े पैमाने पर रिलीज के लिए तैयार है, इस प्रोजेक्ट के करीबी सूत्रों का कहना है कि चीन में भी आमिर खान के प्रशंसको में होड़ लगी हुई है, वितरक ने देश भर में एक विशाल पैमाने पर रिलीज की योजना बनाई है. 'दंगल' हर गुजरते दिनों के साथ नए मानक स्थापित कर रहा है, यह भारत में 385 करोड़ क्लबों में प्रवेश करने वाली पहली बॉलीवुड फ़िल्म है, साथ ही जिससे अब तक की सबसे बड़ी कमाई करने वाली हिंदी फिल्म में शामिल है. फिल्म की कहानी पहलवान महावीर फोगट पर आधारित है जिन्होंने अपनी बेटियों गीता और बबीता को खुद ट्रेनिंग देकर विश्व स्तर के पहलवान बनाया था. फिल्म में पिता-बेटी के संवेदनशील संबंधों को बखूबी दर्शाया गया था, जिसे दर्शको का खूब स्नेह मिला और आमिर खान, फातिमा सना शेख, सान्या मल्होत्रा और पूरे कलाकारों द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन ने दर्शको का दिल जीत लिया है. फिल्म न केवल अपने लंबे नाटकीय रन के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रही है, बल्कि नकद काउंटर पर भी अपना कमाल दिखा रही है, अब विशाल नाटकीय सफलता के बाद फिल्म डिजिटल वर्ग में भी अच्छा प्रदर्शन कर रही है.नई दिल्ली- आमिर खान की फिल्म %दंगल% चीन में 5 मई को रिलीज हो रही है. आमिर खान इस क्षेत्र के साथ एक विशेष संबंध साझा करते हैं, क्योंकि आमिर की फिल्में 'पीके', '3 इडियट्स' और 'धूम 3' चीन बॉक्स ऑफिस पर गैर चीनी फ़िल्म होने के बावजूद शीर्ष तीन उच्चतम श्रेणी में अपनी जगह बनाने में कामयाब हुई थी. आमिर की फिल्म 'पीके' चीन में सर्वश्रेष्ठ उच्चतम कमाई करने वाली भारतीय फिल्म का खिताब भी अपने नाम कर चुकी है, फ़िल्म ने 140 करोड़ की मोटी कमाई बॉक्स ऑफिस पर दर्ज कराई और फ़िल्म को 4000 स्क्रीन के विशाल पैमाने पर रिलीज किया गया था. यहां तक कि आमिर की फ़िल्म '3 इडियट्स' को भी चीन में बड़े पैमाने पर रिलीज किया गया था, यह 1970 दशक के बाद कि पहली भारतीय फिल्म थी जिसे चीन में सार्वजनिक रूप में जारी किया गया था, दिलचस्प बात यह है कि इस फिल्म ने चीन के मशहूर कामकाजी छात्रों के साथ एक ताकतवर झंकार किया, यहां तक कि फिल्म को उनकी कक्षाओं में तनाव-राहत के रूप में भी निर्धारित किया गया था. अब आमिर की नवीनतम रिहाई, 'दंगल' एक बड़े पैमाने पर रिलीज के लिए तैयार है, इस प्रोजेक्ट के करीबी सूत्रों का कहना है कि चीन में भी आमिर खान के प्रशंसको में होड़ लगी हुई है, वितरक ने देश भर में एक विशाल पैमाने पर रिलीज की योजना बनाई है. 'दंगल' हर गुजरते दिनों के साथ नए मानक स्थापित कर रहा है, यह भारत में 385 करोड़ क्लबों में प्रवेश करने वाली पहली बॉलीवुड फ़िल्म है, साथ ही जिससे अब तक की सबसे बड़ी कमाई करने वाली हिंदी फिल्म में शामिल है.

सत्येंद्र जैन ने दिल्ली के सीएम केजरीवाल के साढू के लिए करवाया जमीन का सौदाः कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल कैबिनेट से निकाले गए पूर्व मंत्री कपिल मिश्रा ने सोमवार को सीएम केजरीवाल पर एक बार फिर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिल्ली सीएम के साढ़ू के लिए 50 करोड़ की जमीन की डील करवाई थी। कपिल ने सत्येंद्र जैन का सीएम केजरीवाल को 2 करोड़ रुपये देने की बात दोहराते हुए कहा कि वह मंगलवार सुबह 11.30 बजे सीबीआई को मामले से जुड़े सबूत सौंपेंगे और एफआईआर दर्ज कराएंगे। कपिल ने साथ ही पार्टी पर दिल्ली नगर निगम चुनाव और पंजाब विधानसभा चुनाव में टिकट बंटवारे में गड़बड़ी और सौदेबाजी के आरोप भी लगा डाले। कपिल ने साथ ही कहा, 'आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मुझे इस डील वाले शख्स के नाम बारे में पूछा था तो यह शख्स केजरीवाल के साढ़ू हैं। जैन ने बंसल परिवार के लिए यह डील कराई थी।' कपिल ने कहा कि वह नहीं छोड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे ऊपर बीजेपी का एजेंट होने का आरोप लग रहा है, लेकिन मैं साफ करना चाहता हूं कि मैं ही सबसे मजबूती के साथ बीजेपी, कांग्रेस और नरेंद्र मोदी की नीतियों के खिलाफ लड़ा हूं। डंके की चोट पर इनके करप्शन के मामले को उजागर किया हूं।'

उन्होंने साथ ही कहा, 'ईमानदारी का सर्टिफिकेट देने वाले आप के 4-5 लोग आज शाम पीएसी की बैठक कर मुझे पार्टी से निकालने वाले हैं। लेकिन मैं साफ करता हूं कि मैं यह पार्टी नहीं छोड़ने वाला हूं। बंद कमरे में लिया गया कोई भी निर्णय मैं नहीं मानूंगा। संजय सिंह और केजरीवाल मेरे बीजेपी के साथ रिश्ते के कोई सबूत दे। मेरे ऊपर करप्शन के कोई चार्ज नहीं है।

कपिल ने कहा कि उन्हें केजरीवाल के करीबियों से जान से मारने की धमकी भी मिल रही है। उन्होंने कहा, %नगर निगम चुनाव और पंजाब विधानसभा चुनाव में पैसे का खूब खेल हुआ है। पंजाब में चुनाव प्रचार के दौरान फंडिंग और टिकटों के बंटवारे में खूब गड़बड़ी हुई थी। फार्म हाउस में दारू, पैसे और लड़कियों के धंधे हुए। जैसी जानकारियां मिली हैं, उससे मैं हैरान हूं।

कपिल ने कहा कि केजरीवाल सीएम की कुर्सी नहीं छोड़ने वाले हैं। उन्होंने कहा, 'केजरीवाल कुर्सी से चिपके रहेंगे। लेकिन जिस दिन जैन जेल जाएंगे तब वह क्या कहेंगे। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचारियों से लड़ने के लिए letscleanaap@gmail.com पर सभी कार्यकर्ता सबूत भेजें। उसकी जांच की जाएगी। कपिल ने कहा, सारे देश से मेरे पास फोन आ रहे हैं। दिल्ली सरकार के कुछ बड़े अधिकारी मेरे पास आए थे। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से करप्शन अलग-अलग विभाग में हुए हैं।

सत्येंद्र जैन का आरोपों से इनकार

उधर कपिल के आरोपों को मंत्री जैन ने बकवास बताया है। उन्होंने कहा, झूठ बोलने की भी कोई सीमा होती है। 5 मई को मैं सीएम हाउस में मौजूद नहीं था। मैं इसे साबित कर सकता हूं। उन्होंने कहा, वह मानसिक संतुलन खो चुके हैं और आधारहीन आरोप लगा रहे हैं। अगर वह सच बोल रहे हैं तो सबूत पेश करें, दस्तावेज दिखाएं।

2 से 5 मई तक चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

सोलन। प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देश पर राज्य के सभी जिलों के साथ सोलन जिले में भी 2 मई से 5 मई तक विशेष स्वच्छता अभियान कार्यान्वित किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां इस संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपायुक्त सोलन संदीप नेगी ने दी। संदीप नेगी ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत बाह्य शौचमुक्त हिमाचल की निरन्तरता बनाए रखने एवं सोलन जिले को पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से यह चार दिवसीय विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी विभागों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन के सहयोग से ही स्वच्छता के उद्देश्य में सफलता प्राप्त की जा सकेगी। जिला स्तर पर उपायुक्त अभियान के नोडल अधिकारी होंगे।

उपमण्डल स्तर पर उपमण्डलाधिकारी अभियान की देखरेख करेंगे। अभियान में महिला मण्डलों, महिला स्वयं सहायता समूहों, युवाओं तथा छात्रों की विशेष भूमिका रहेगी। पंचायतीराज संस्थाओं के प्रतिनिधि, जिला परिषद सदस्य, बीडीसी सदस्य तथा विभिन्न पंचायतों के प्रधान, उप प्रधान एवं वार्ड सदस्य अभियान की सफलता में विशेष रूप से सहायक सिद्ध होंगे। संदीप नेगी ने कहा कि अभियान के तहत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा आंगनवाड़ियों में बच्चों के अभिभावकों को स्वच्छता के लाभ एवं खुले में शौच जाने से होने वाली हानियों के बारे में शिक्षित किया जाएगा।

2 मई को इस अभियान का शुभारम्भ किया जाएगा। अभियान एक साथ जिला, उपमण्डल एवं खण्ड स्तर पर आरम्भ होगा। इस दिन सामुदायिक एवं व्यक्तिगत स्तर पर सफाई अभियान चलाया जाएगा। किसानों एवं बागवानों को जैविक खाद की जानकारी दी जाएगी। 3 मई को कार्यालय एवं आवास की सफाई के साथ-साथ जल स्त्रोतों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी। 4 मई को विद्यालयों एवं आंगनवाड़ियों में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। 5 मई को स्वच्छता तकनीक से लोगों को अवगत करवाया जाएगा तथा स्वास्थ्य एवं व्यक्तिगत स्वच्छता की जानकारी दी जाएगी।

5 मई को लॉन्च होगा साउथ एशिया सेटेलाइट, जानिये क्या होंगी खूबियां

नई दिल्ली। भारतीय इतिहास में पहली बार किसी ऐसे उपग्रह को लॉन्च किया जा रहा है, जिससे न केवल भारत बल्कि दक्षिण एशिया के दूसरे देश भी लाभांवित होंगे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 5 मई को देश के पहले साउथ एशिया सेटेलाइट को लॉन्च किया जाएगा. यह टेली मेडिसिन, पीपल टू पीपल कम्यूनिकेशन जैसी कई सेवाएं मुहैया कराएगा. बता दें कि साउथ एशिया सेटेलाइट 5 मई को बंगाल की खाड़ी के तट पर श्रीहरिकोटा से इसरो इसका प्रक्षेपण करेगा. 2,230 किलो के इस उपग्रह को तीन साल में बनाया गया है. इसे बनाने में 235 करोड़ का खर्च आया है और यह पूरी तरह संचार उपग्रह है और इसके लिए भारत किसी भी देश से कोई शुल्क नहीं लेगा. प्रधानमंत्री ने कहा कि इस तरह 'सबका साथ और सबका विकास' का नारा साकार होगा. सभी सार्क देश इससे लाभांवित होंगे. हालांकि पाकिस्तान को इससे बाहर ही रखा गया है. सार्क देशों में अकेला पाकिस्तान ही है, जिसे साउथ एशिया सेटेटाइट का लाभ नहीं मिलेगा.

किसानों की मेहनत और राज्य शासन के प्रयासों से कृषि के क्षेत्र में

प्रदेश अब अग्रणी राज्यों में शामिल -मंत्री श्री पारस जैन

उज्जैन। उज्जैन में तीन दिवसीय कृषि विज्ञान मेले का शुभारम्भ स्थानीय कृषि उपज मंडी प्रांगण में सोमवार को हुआ। शुभारम्भ करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन ने किसानों से कहा कि किसानों की मेहनत और राज्य शासन के सुनियोजित प्रयासों की बदौलत मध्य प्रदेश अब खेती के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में सम्मिलित हो गया है। इसका परिणाम यह भी आया है कि प्रदेश पांचवी बार कृषि कर्मण अवार्ड के लिये चयनित हुआ है। इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री महेश परमार, विधायक महिदपुर श्री बहादुरसिंह चौहान, मंडी अध्यक्ष श्री बहादुरसिंह बोरमुंडला, उपाध्यक्ष श्री शेरू पटेल तथा कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। ऊर्जा मंत्री श्री जैन ने अपने सम्बोधन में कहा कि राज्य शासन ने किसान हित तथा खेती के विकास के लिये अथक प्रयास किये हैं। किसान समृद्धि के लिये किये जा रहे कार्य सतत जारी है। सरकार लगातार आम लोगों और किसानों की भलाई में लगी हुई है। राज्य शासन ने विभिन्न फसलों पर किसानों को दिये जाने वाले ऋणों की सीमा में वृद्धि की है। अब प्रति हेक्टेयर फसल पर ज्यादा मात्रा में ऋण दिया जा रहा है। राज्य में सिंचाई का रकबा अपेक्षित रूप से बढ़ाया गया है। अब प्रदेश में 40 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की जा रही है। सिंचित रकबे में वृद्धि से जहां किसान समृद्ध हुआ है, वहीं राज्य शासन के राजस्व में भी बढ़ौत्री हो रही है। इस राजस्व का उपयोग प्रदेश के विकास और लोगों की भलाई में किया जा रहा है।

ऊर्जा मंत्री ने किसानों से कहा कि वे मात्र गेहूं-सोयाबीन की फसल तक ही सीमित नहीं रहें, बल्कि अन्य व्यावसायिक लाभ वाली फसलें भी व्यापक पैमाने पर उपजाएं। इससे किसान उत्तरोत्तर समृद्धि की ओर अग्रसर होगा। उन्होंने कृषि मेले में उपस्थित कृषि वैज्ञानिकों से इस सम्बन्ध में किसानों को ज्यादा से ज्यादा मार्गदर्शन देने को कहा।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्री महेश परमार ने किसानों को उनकी फसल के वाजिब दाम दिलाने तथा अन्य किसान हितैषी कार्यों के सम्बन्ध में उद्बोधन दिया। विधायक श्री बहादुरसिंह चौहान ने अपने उद्बोधन में राज्य शासन द्वारा संचालित किसान कल्याणकारी योजनाओं एवं प्रदेश में परिलक्षित किसान समृद्धि का जिक्र किया। अन्य वक्ताओं ने भी सम्बोधित किया। इस कृषि विज्ञान मेले में कृषि विभाग तथा अन्य सम्बन्धित विभागों द्वारा अपने स्टॉल भी लगाये गये हैं।

दस्तावेजों के पंजीयन एवं मुद्रांक से 3947 करोड़ रुपये से अधिक आय

उज्जैन। प्रदेश में पिछले वित्तीय वर्ष 2016-17 में दस्तावेजों के पंजीयन एवं मुद्रांक से 3947 करोड़ 37 लाख रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई है। लक्ष्य 3900 करोड़ रुपये का था। इस प्रकार प्रदेश में 101.21 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की गयी है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में 6 लाख 40 हजार से ज्यादा दस्तावेज पंजीबद्ध हुए। वित्तीय वर्ष में फरवरी-मार्च माह में पक्षकारों की सुविधा के लिये सभी जिला पंजीयन कार्यालय में कार्यालय समय के अलावा अवकाश के दिनों में भी पंजीयन का कार्य किया गया। सम्पदा सॉफ्टवेयर से सम्पत्ति की रजिस्ट्री मार्च माह में दस मिनट से भी कम समय में पूरी की गयी। प्रदेश में स्टाम्प शुल्क के गैर-परम्परागत साधनों में राजस्व अपवंचन को रोकने के लिये लोक कार्यालय में निरीक्षण कर प्रकरणों की खोज की गयी और मुद्रांक शुल्क की वसूली की कार्यवाही की गयी। कैशलेस की हुई मंशा पूरी प्रदेश में प्रत्येक रजिस्ट्री की सम्पूर्ण स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस ऑनलाइन सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से इंटरनेट बैंकिंग से सीधे पंजीयक कार्यालयों में जमा करवायी गयी। पूर्व में रजिस्ट्री में लगने वाली राशि नगद प्राप्त कर बैंकों में जमा करवाई जाती थी। वर्ष 2016 में नवम्बर माह से सम्पदा पोर्टल से रजिस्ट्री की राशि नेटबैंकिंग से ली गई। कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन एवं अधीक्षक मुद्रांक ने जन-सामान्य की सुविधा के लिये वेब इनेबल्ड पोर्टल www.mpigr.gov.in तैयार किया है।

आज वार्ड 51 में सफाई अभियान

गार्डन की सफाई की गई जिसमें विक्रम जी, कैसर सिंह जी, मुकेश शर्मा, प्रीति दीदी देवीलाल जी ओर सभी भाजपा कार्यकार्ता ने मिल कर इसको सफल बनाया

महिला का कटा हाथ सफल ऑपरेशन

उज्जैन। जे.के. हॉस्पिटल में एक ऐसी महिला मरीज गंभीर अवस्था में लाई गई जिसका एक हाथ हादसे में कट गया था। जिसे डॉक्टरों ने अथक प्रयास कर जोड़ दिया।

नलखेड़ा निवासी नीलम पति बृजराज पाटीदार उम्र 30 वर्ष का दांया हाथ एक हादसे में कलाई से कट गया था। खून अधिक बह जाने से नीलम की हालात गंभीर हो गई थी। परिजन सांवेर रोड़ स्थित जे.के. नर्सिंग होम में ईलाज के लिये लाए, जहां डॉ. अजय खरे,(हड्डी रोग विशेषज्ञ) डॉ. नीरज वलेचा (माइक्रो वैस्कुलर सर्जन)ने महिला का सफल आपरेशन कर हाथ जोड़ दिया गया। इसमें डॉ. दीपिका अग्रवाल ने एनेस्थिया दिया।

जे.के. हॉस्पिटल में 6 घंटे तक आपरेशन चला। हाथ कटने से कई नसें भी प्रभावित हुई थी। बावजूद इसके डॉक्टरों ने जे.के. नर्सिंग होम में सफलतम आपरेशन किया। ऐसे ईलाज अब तक बड़े शहरों में ही होते थे। यह जानकारी टिंकू अग्निहोत्री ने दी।

खबरें

ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन ने पर्यावरण संरक्षण, उत्तम स्वास्थ्य और ऊर्जा की बचत हेतु सायकल चलाने का संकल्प दिलाया

जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने की सायकल की सवारी

उज्जैन। वेदान्त दर्शन के प्रवर्तक, सनातन धर्म के पुनरूद्धारक एवं सांस्कृतिक एकता के देवदूत आदिशंकराचार्यजी के प्रकटोत्सव दिवस कार्यक्रम के अवसर पर जिला प्रशासन, उज्जैन नगर पालिक निगम, जिला सायकल पोलो एसोसिएशन, पं.दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह समिति के संयुक्त तत्वावधान में सायकल रैली का आयोजन प्रात: क्षीर सागर मैदान में किया गया। इस कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन, उज्जैन नगर पालिक निगम महापौर श्रीमती मीना जोनवाल, नगर पालिक निगम अध्यक्ष श्री सोनू गेहलोत, दादू आश्रम के महामण्डलेश्वर श्री ज्ञानदासजी महाराज, संभागायुक्त श्री एमबी ओझा, प्रभारी कलेक्टर एवं नगर निगम आयुक्त श्री आशीष सिंह आदि उपस्थित थे। अतिथियों ने पं.उपाध्याय एवं आदिशंकराचार्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। ऊर्जा मंत्री श्री जैन ने उपस्थित नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, उत्तम स्वास्थ्य, ऊर्जा की बचत के लिये सायकल चलाने का संकल्प दिलाया।

आदिशंकराचार्यजी ने सांस्कृतिक एकता का सन्देश चारों दिशाओं में दिया

महापौर श्रीमती मीना जोनवाल ने कहा कि पर्यावरण को बेहतर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। स्वस्थ शरीर और ऊर्जा की बचत के लिये आमजन से सायकल चलाने का आव्हान किया और पर्यावरण के प्रति हम सबको गंभीर रहने की बात कही। संभागायुक्त श्री एमबी ओझा ने कहा कि आदिशंकराचार्य के द्वारा राष्ट्र की सांस्कृतिक एकता का सन्देश चारों दिशाओं में दिया गया। इस सन्देश को हम सब मिलकर और सुदृढ़ करेंगे। उज्जैन नगर पालिक निगम के अध्यक्ष श्री सोनू गेहलोत ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी। अतिथियों के द्वारा प्रतिदिन सायकल से चलने वाले पूर्व महापौर श्री मदनलाल ललावत, श्री आत्माराम चौरे, श्री मोतीलाल डागर, श्री गिरिराज, श्री भंवरसिंह चौहान आदि का पुष्पहारों से सम्मान किया गया। पूर्व महापौर श्री मदनलाल ललावत ने कहा कि सायकल चलाने से किसी भी प्रकार का कोई खर्चा नहीं आता है और सायकल चलाने से व्यक्ति का शरीर स्वस्थ और तंदुरूस्त रहता है। कार्यक्रम में पर्यावरण पोस्टर का विमोचन भी किया गया।

जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने चलाई सायकल

कार्यक्रम के बाद ऊर्जा मंत्री श्री पारस जैन ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। इसके बाद ऊर्जा मंत्री श्री जैन, महापौर श्रीमती जोनवाल, संभागायुक्त श्री ओझा, महामण्डलेश्वर श्री ज्ञानदासजी महाराज आदि ने सायकल चलाकर रैली में साथ चले। सायकल रैली क्षीर सागर मैदान से प्रारम्भ होकर बहादुरगंज, मालीपुरा, दौलतगंज, फव्वारा चौक, नईसड़क, कण्ठाल चौराहा, सतीगेट, गोपाल मन्दिर, पटनी बाजार, महाकाल चौराहा, हरिफाटक ओवरब्रिज से शास्त्री नगर, सिन्धी कॉलोनी चौराहा, तीन बत्ती चौराहा, टॉवर चौक होते हुए शहीद पार्क फ्रीगंज पर समाप्त हुई।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री बसन्त कुर्रे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय गोयल, अनुविभागीय अधिकारी श्री क्षितिज शर्मा, क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती आरती जीवन गुरू, जिला सायकल पोलो एसोसिएशन के श्री उत्कर्षसिंह सेंगर सहित विभिन्न गणमान्य नागरिक, सायकल चालक आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन श्री संदीप नाडकर्णी ने किया।

अग्रिम मानदेय पंचायतों के खाते में सीधे जमा

बांद्राभान में 200 से अधिक कन्याओं के विवाह समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। शासन द्वारा ग्राम पंचायतों के सरपंच और पंचायतों के लिये दिये जाने वाले मानदेय की राशि को सीधे पंचायत राज संचालनालय से संबंधित ग्राम पंचायत के बैंक खाते में जमा करवाया जा रहा है। मानदेय की राशि को संचालनालय द्वारा ग्राम पंचायत के खाते में सीधे जमा करवाने के निर्देश जारी होने के बाद हाल ही में मानदेय भुगतान की राशि अग्रिम जमा करवाई गई है। राशि का मदवार ग्राम पंचायतवार विवरण पंचायत दर्पण पोर्टल पर पंचायतों को प्राप्तियाँ ऑप्शन में उपलब्ध है। शासन द्वारा सरपंच को 1750 रुपये प्रतिमाह और पंच को प्रति मासिक बैठक 100 रुपये अधिकतम 6 बैठक के लिये 600 रुपये का मानदेय देने का प्रावधान है। हाल ही में अग्रिम भुगतान के तौर पर सरपंच के लिये 6 माह और पंच के लिये 3 बैठक के मानदेय भुगतान की अग्रिम राशि ग्राम पंचायतों के बैंक खातों में भेजी गयी है।

श्रम विभाग की कुछ और सेवायें भी होंगी ऑन लाइन

श्रम विभाग द्वारा ईज ऑफ डूईंग बिजनेस के अंतर्गत विभिन्न श्रम कानूनों में प्रदाय किये जाने वाले पंजीयन तथा अनुज्ञप्तियों को ऑन लाइन किये जाने की प्रक्रिया जारी है । श्रम विभाग में अब तक मध्यप्रदेश दुकान एवं स्थापना अधिनियम (गुमाश्ता कानून) तथा कारखाना अधिनियम, ठेका श्रम अधिनियम 1970 तथा भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मचारी (नियोजन तथा सेवा शर्तो का विनियमन) अधिनियम 1996 के अंतर्गत पंजीयन,लायसेंस तथा नक्शा अनुमोदन आदि कार्यों को एवं निर्माण श्रमिकों के पंजीयन और प्रमुख योजनाओं में हितलाभ वितरण के कार्यो को पूर्णत: ऑन लाइन किया जा चुका है ।

तेंदू पत्ता संग्रहण दर में वृद्धि

भोपाल। प्रतिवर्ष की भाँति वर्ष 2017 में तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य मई माह के प्रथम सप्ताह से प्रारम्भ हो रहा है। शासन द्वारा आमंत्रित निविदा में तेन्दूपत्ता प्राथमिक समितियों का संग्रहित होने वाला पत्ता अग्रिम निविदा में काफी ऊंची दरों पर विक्रय हो चुका है। जिससे तेन्दूपत्ता संग्राहकों एवं तेन्दूपत्ता संग्रहण कराने वाले फड मुंशियों को पिछले वर्ष की तुलना में काफी लाभ प्राप्त होने की संभावना है।

तेन्दूपत्ता संग्रहण का भुगतान 1250 रूपये प्रति मानक बोरा की दर से किया जाएगा। वर्ष 2016 की तुलना में तेन्दूपत्ता सीजन 2017 की अग्रिम निविदा दरों में व्यापक वृद्धि होने से संग्राहकों को लगभग दो हजार रूपये प्रति मानक बोरा बोनस राशि प्राप्त होने की सम्भावना है। तेन्दूपत्ता सामुहिक सुरक्षा बीमा योजना का लाभ 18 से 60 वर्ष तक की आयु के संग्राहकों को मिलेगा। फण्ड मुंशी के प्रति मानक बोरा कमीशन में भी व्यापक वृद्धि की गई है।

अल्प संख्यक विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति के आवेदनों को 10 मई तक करना होगा फारवर्ड

भोपाल। भारत सरकार के माध्यम से संचालित अल्प संख्यक प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक एवं मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति योजनाओं अंतर्गत अल्प संख्यक विद्यार्थियों द्वारा भारत सरकार के पोर्टल पर भरे गये ऑनलाईन नवीनीकरण आवेदनों को शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा नियमानुसार एवं पात्रतानुसार अगले चरण हेतु ऑनलाईन फारवर्ड करने की अंतिम तिथि 10 मई निर्धारित की गई है। सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग कल्याण ने जिले की समस्त शासकीय अर्द्धशासकीय शैक्षणिक संस्थाओं को उपरोक्त निर्धारित समयावधि में कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिये है। जिले में अभी भी बहुत सी संस्थाओं द्वारा विद्यार्थियों के नवीनीकरण आवेदनों को अगले चरण हेतु ऑनलाईन फारवर्ड करना लम्बित है।

बोर्ड परीक्षा में असफल छात्रों के लिये जिला मुख्यालय पर होगी कार्यशाला

भोपाल। प्रदेश में इस वर्ष कक्षा-10 और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में असफल होने वाले विद्यार्थियों के लिये राज्य ओपन स्कूल सभी 51 जिला मुख्यालय पर मार्गदर्शन देने के लिये मई माह में कार्यशाला आयोजित करेगा। ओपन स्कूल बोर्ड स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकों को कम्प्यूटर में दक्ष करने के लिये भोपाल, रायसेन, छतरपुर, जबलपुर, ग्वालियर और खण्डवा में 10 मई से दक्षता कार्यक्रम शुरू करेगा। 'रूक जाना नहीं' योजना, जो पिछले वर्ष शुरू की गयी थी, में अब तक बोर्ड परीक्षा में असफल 80 हजार छात्रों ने परीक्षा पास की है। इस वर्ष से 'रूक जाना नहीं' योजना के अंतर्गत दो चरण में जून और नवम्बर माह में परीक्षा होगी। असफल छात्रों की मदद के लिये प्रत्येक जिला मुख्यालय पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सम्पर्क अधिकारी बनाये जाने के लिये कहा गया है। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को ओपन स्कूल की योजनाओं की जानकारी दिये जाने की व्यवस्था रहेगी। सम्पर्क अधिकारी छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ कौशल उन्नयन के संबंध में भी जानकारी देंगे।

कौशल उन्नयन प्रशिक्षण के लिये आवेदन करें

भोपाल। म.प्र.खादी ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा युवक-युवतियों को लाभान्वित किये जाने के लिये भोपाल में कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रारम्भ किया जा रहा है। इच्छुक युवा प्रशिक्षण के लिये खादी ग्रामोद्योग कक्ष जिला पंचायत सम्पर्क करें। युवाओं को मोबाइल मरम्मत, टू व्हीलर, फोर व्हीलर मरम्मत, सिलाई, रेडिमेड गारमेंट, दोना-पत्तल, बेकरी उद्योग, लाख चूड़ी निर्माण, मधुमक्खी पालन, प्लंबर, इलेक्ट्रीशियन, वीडियोग्राफी, सेल्समेन, लेदर गुड्स, सायकल मरम्मत आदि के लिये प्रशिक्षित किया जायेगा।

खेलवृत्ति हेतु आवेदन पत्र 31 मई तक करें

भोपाल। प्रदेश के राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहन दिया जाता है। जिसके तहत नवीन नियमों के अन्तर्गत वर्ष 2017-18 में 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2017 तक प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में व्यक्तिगत विधा में प्रथम विजेता को 7 हजार 200 रूपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 6 हजार रूपये एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 4 हजार 800 रूपये एवं दलीय विधा में प्रथम को 4 हजार 800 रूपये, द्वितीय स्थान को 3 हजार 600 रूपये तथा तृतीय स्थान को 3 हजार रूपये की खेलवृत्ति दी जाती है। वरीयता राष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक अर्जित करने वाले खिलाडीयों को दी जायेगी। खेलवृत्ति प्राप्त करने वाले वर्ष में खिलाडीयों की आयु 1 अप्रैल 2017 को 19 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। खेलवृत्ति के लिये आवेदन पत्र खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्राप्त कर सकते हैं।

ग्रामोदय

ऑनलाईन आवेदन में कम से कम तीन स्कूलों के विकल्प भरने होंगे।

15 मई तक भरे जा सकेंगे ऑनलाईन आवेदन वंचित समूह के बच्चों को मिलेगा प्राइवेट स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत नए शिक्षा सत्र में प्राइवेट स्कूलों की प्रारंभिक कक्षाओं में समीप की बसाहटों में निवासरत वंचित समूह के बच्चों को नि:शुल्क प्रवेश देने के लिये आवेदन पत्र एक मई से स्वीकार किए जायेंगे। आवेदन फॉर्म ऑनलाईन 15 मई तक शिक्षा विभाग के पोर्टल पर भरे जा सकते हैं। इसके अलावा संबंधित प्राइवेट स्कूल अथवा बीआरसी कार्यालय में भी आवश्यक दस्तावेजों की छायाप्रतियों के साथ जमा किए जा सकते हैं। ऑनलाईन आवेदन में कम से कम तीन स्कूलों के विकल्प भरने होंगे। विदित हो कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत वंचित समूह के बच्चों को पड़ोस की बसाहट में स्थित निजी स्कूलों की प्रारंभिक कक्षा में प्रवेश देने का प्रावधान है। वंचित समूह में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, वन भूमि के पट्टेधारी, बीपीएल परिवार, विमुक्त जाति व दिव्यांग बच्चे शामिल हैं।

नर्सरी व प्री-प्राइमरी कक्षा में प्रवेश के लिये बच्चे की आयु 3 से 5 वर्ष के मध्य होना आवश्यक है। इसी तरह पहली कक्षा में प्रवेश के लिये न्यूनतम आयु 5 से 7 वर्ष होना चाहिए। आयु की गणना 16 जनवरी 2017 की स्थिति में की जायेगी। आयु के संबंध में सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण-पत्र अथवा अस्पताल द्वारा प्रदत्त रजिस्टर्ड रिकॉर्ड स्वीकार किए जायेंगे। इसके अलावा अभिभावक द्वारा अपने बच्चे की आयु के संबंध में दिया गया स्वघोषणा पत्र भी मान्य होगा।

पोर्टल पर पंजीकृत एवं लॉक किए गए आवेदनों को ही लॉटरी प्रक्रिया में सम्मिलित किया जायेगा। निजी विद्यालयों में प्रवेश देने के लिये लॉटरी एनआईसी मध्यप्रदेश द्वारा 31 मई को निकाली जायेगी।

निवास के लिये यह दस्तावेज मान्य होंगे - शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत प्रवेश लेने के लिये अभिभावक का मतदाता परिचय पत्र, राशनकार्ड, पीडीएस की पात्रता पर्ची, समग्र पर्ची, मनरेगा का जॉब कार्ड, पासपोर्ट, ड्रायविंग लायसेंस, बिजली व पानी का बिल तथा अन्य ऐसे शासकीय दस्तावेज निवास प्रमाण-पत्र की पहचान के लिये मान्य होंगे, जिससे बच्चों के अभिभावक के निवास का पता जाहिर होता हो। यदि अभिभावक संयुक्त परिवार का सदस्य है तो परिवार के मुखिया के नाम से जारी शासकीय दस्तावेज भी मान्य होंगे। वनाधिकार अधिनियम के तहत वन ग्राम के पट्टे और दिव्यांगों के लिये जिला मेडीकल बोर्ड द्वारा जारी विकलांग पत्र स्वीकार किया जायेगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिये बीपीएल कार्ड और अनाथ बच्चों के लिये जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास द्वारा जारी प्रमाण-पत्र मान्य होगा।

तीन चरणों में संचालित होगा स्कूल चलें हम अभियान

इस वर्ष स्कूल चलें हम अभियान तीन चरणों में संचालित किया जाएगा। अभियान के प्रथम चरण में अकादमिक सत्र 2016-17 के वार्षिक मूल्यांकन परिणाम घोषित कर, कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत् बच्चों का आगामी कक्षा में प्रवेश एंव कक्षा पहली में प्रवेश लेने वाले बच्चों एवं शाला से बाहर बच्चों का घर घर जाकर सर्वे किया जाएगा। दूसरे चरण में कक्षा पहली एवं 10 वीं से 11 वीं तथा 11 वीं सें 12 वीं में प्रवेश लेने वाले बच्चों हेतु एवं शाला से बाहर तथा विशेष आवश्कता वाले बच्चों के लिए संचालित किया जाएगा एंव तृतीय चरण शाला में ठहराव एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर केन्द्रित रहेगा।

स्कूल चलें हम अभियान 2017-18 प्रथम चरण के अंतर्गत कक्षा 1 से 8 में अध्यनरत बच्चों को कक्षा 2 से 9 में नामांकन एवं कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले बच्चों का तथा शाला से बाहर के बच्चों का सर्वे किया जायेगा। कक्षा-1 से 8 तक अध्ययनरत् बच्चों को अगामी शैक्षणिक सत्र 2017-18 में कक्षा 2 से 9 में नामांकन कराया जाएगा। कक्षा 1 से 8 तक अध्यनरत बच्चों को परीक्षा परिणाम वितरण के साथ ही 26 से 28 अप्रैल, 2017 की अवधि में आगामी कक्षा में नामांकन भी कर लिया जाए।

सम्पादकीय

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को ताकत देने बना नया विभाग

किसी भी प्रदेश के विकास के आर्थिक विकास के लिए सूक्ष्म,लघु तथा मझौले उद्यम की उपस्थिति जरूरी है। इस तरह के उद्योगों के सामने चुनौतियाँ भी अनेक रहती हैं। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने न केवल इन चुनौतियों को बखूबी समझा बल्कि प्रदेश में इन उद्योगों के प्रोत्साहन के कदम भी उठाये हैं। वर्ष 2014 में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्योगों के लिए पृथक से मंत्रालय बनाने तथा लघु उद्योग संवर्धन बोर्ड गठित करने की घोषणा की थी । इन उद्योंगों की सामाजिक-आर्थिक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत इन उद्यमों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के प्रयास तेज किये जा रहे हैं। एम.एस.एम.ई। इकाइयों को वित्तीय सहायता से विकसित करने की योजना भी चलाई जा रही है।

प्रदेश में गत वर्ष सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों का 48 हजार से ज्यादा का पंजीयन हुआ। इनमें 5171 करोड़ रूपये का पूँजी निवेश हुआ और करीब 2 लाख व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया। यह पूर्व वर्ष की तुलना में 143 प्रतिशत अधिक है। इस वर्ष इस लक्ष्य को दुगना कर एक लाख उद्यमों के पंजीयन का प्रावधान रखा गया है।

प्रदेश को पूरी तरह से विकसित एवं औद्योगिक प्रदेश बनाये जाने के उद्देश्य से वेण्डर डेवलपमेंट विपणन समर्थन तथा तकनीकी उन्नयन कार्य योजना क्रियान्वित की जा रही है। इसमें 500 स्थानीय इकाई को 70 शासकीय उपक्रम,वृहद इकाइयों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश के छोटे उद्यमियों की बड़ी कंपनियों तक पहुँच बनाने के लिए ऑनलाईन पद्धति का उपयोग करने के लिए टोलेक्सो डॉट कॉम के साथ अनुबंध किया गया है। रिवर्स बायर्स-सेलर्स मीट के जरिए विदेशी क्रेता के साथ उद्यमियों को मिलने का अवसर जनवरी 2016 में दिलाया गया। प्रदेश की कपड़ा निवेश प्रोत्साहन नीति में अनेक कम्पनियों द्वारा वस्त्र उद्योग संचालित किये जा रहे हैं। इन उद्योगों में 25 हजार स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर रोजगार दिलाने का लक्ष्य है। इसमें 11 हजार युवाओं को प्रशिक्षण पश्चात मध्यप्रदेश की कम्पनियों में रोजगार दिलाया जा चुका है।

एमएसएमई सेक्टर को प्रोत्साहन: राज्य सरकार सूक्ष्म,लघु और मध्यम श्रेणी के उद्योगों को प्रोत्साहन नीति पर तेजी से आगे बढ़ रही है। एमएसएमई सेक्टर के लिए ब्याज अनुदान की अधिकतम सीमा 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख की गई है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय निवेश साधिकार समिति गठित है। जिला स्तरीय समिति के अधिकार बढ़ाये गये हैं। प्रदेश के एम.एस.एम. ई का निर्यात पोर्टल तैयार किया गया है। इसे विदेशों में 17 विभिन्न भाषा में देखा जा सकता है।

युवाओं के रोजगार के लिए संचालित महत्वपूर्ण तीन योजना: मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना - इस योजना की लागत 10 लाख से 1 करोड़ रूपये तक की है। पूँजी लागत का 15 प्रतिशत अधिकतम 12 लाख रूपये की मार्जिन मनी सहायता तथा 5 प्रतिशत सालाना की दर से अधिकतम 7 वर्ष तक ब्याज अनुदान दिया जाता है। महिला उद्यमियों को पूँजी लागत का एक प्रतिशत अधिक अर्थात 6 प्रतिशत प्रति-वर्ष की दर से ब्याज अनुदान मिलेगा। योजना का लाभ लेने के लिये नवीन उद्योग के लिए तथा युवा उद्यमी की आयु 18-40 वर्ष होने के साथ ही न्यूनतम दसवीं परीक्षा पास होना जरूरी है। मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में परियोजना की लागत 20 हजार से 10 लाख रूपये तक की है। सामान्य वर्ग के व्यक्ति के लिये परियोजना की पूँजी लागत का 15 प्रतिशत अधिकतम लागत एक लाख रूपये एवं बीपीएल, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (क्रीमीलेयर को छोड़कर), अल्पसंख्यक या निःशक्त-जन के हितग्राही को परियोजना लागत का 30 प्रतिशत और अधिकतम 2 लाख रूपये की मार्जिन मनी सहायता तथा प्रचलन दर से अधिकतम 7 वर्ष तक गारंटी फीस का प्रावधान है। विमुक्त, घुमकक्ड़ और अर्द्ध घुमक्कड़ जनजाति के उद्यमियों को परियोजना लागत में दो लाख रूपये की अधिकतम सीमा को बढ़ाकर 3 लाख तक किया गया है। इस योजना में भोपाल गैस पीड़ित परिवार के सदस्यों को योजना की अन्य पात्रताएँ पूरी करने पर पूँजी लागत पर 20 प्रतिशत अतिरिक्त अधिकतम एक लाख रूपये की मार्जिन मनी की राशि भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग हितग्राहियों को उपलब्ध करवायी जायेगी।

मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण योजना में सबसे गरीब वर्ग को कम लागत के उपकरण या कार्यशील पूँजी उपलब्ध करवायी जाती है। परियोजना की लागत अधिकतम 20 हजार रूपये रखी गई है। शैक्षणिक योग्यता बंधनकारी नहीं है किन्तु हितग्राही की उम्र 18-35 वर्ष की होना जरूरी है। परियोजना की लागत का 50 प्रतिशत मार्जिन मनी एवं अधिकतम सहायता 10 हजार रूपये तक है।

सूक्ष्म एवं लघु उद्योग से युवाओं को मिलने लगा रोजगार

इन तीन महत्वपूर्ण योजना में वर्ष 2015-16 में 72 हजार हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया है। इस वर्ष एक लाख हितग्राहियों को लाभान्वित करने के लक्ष्य के साथ ही भारत सरकार की संचालित मुद्रा योजना को मिलाकर 5 लाख युवा स्वरोजगार स्थापित कर सकेंगे।

- पराग वराडपांडे

मध्यप्रदेश में शिक्षक कल्याण को नयी दिशा

मध्यप्रदेश में पिछले एक दशक में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिये कई महत्वपूर्ण काम किये गये हैं। इसके साथ ही शिक्षक कल्याण को भी प्राथमिकता दी गयी है। शिक्षकों के प्रशिक्षण पर भी राज्य सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। शिक्षकों के बच्चे पैसे के अभाव में उच्च संस्थान में पढ़ने से वंचित न रह जायें, इसके लिये उन्हें आर्थिक मदद पहुँचाये जाने की व्यवस्था भी की गयी है। गंभीर बीमारी की स्थिति में इलाज के लिये आर्थिक मदद के साथ अन्य सुविधाएँ भी उपलब्ध करवायी जा रही हैं। भोपाल के जवाहरलाल नेहरू कैंसर अस्पताल में शिक्षक वार्ड की व्यवस्था की गयी है। प्रदेश के विभिन्न स्थान पर शिक्षकों के रुकने के लिये प्रदेश के बड़े शहरों के अलावा ऐतिहासिक एवं पर्यटन-स्थल पर शिक्षक सदन का निर्माण भी किया गया है।

शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान: राज्य में शिक्षक और उनके आश्रितों के कल्याण से संबंधित योजनाओं पर अमल के लिये राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान की स्थापना की गयी है। भारतीय गणतंत्र के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म-दिवस 5 सितम्बर को जिला और राज्य-स्तर पर शिक्षक सम्मान-समारोह गरिमापूर्ण रूप से आयोजित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय एवं राज्य-स्तरीय पुरस्कार: प्रदेश में शिक्षकों के उल्लेखनीय योगदान को राष्ट्रीय-स्तर पर पहचान दिलवाने के लिये प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये चयन किया जाता है। वर्ष 2015 में राष्ट्रपति द्वारा प्रदेश के 14 शिक्षक को यह सम्मान प्रदान किये गये। राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के रूप में 50 हजार रुपये की नगद राशि, रजत पदक एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। राज्य-स्तरीय शिक्षक पुरस्कार का चयन राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान और लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा संबंधित की उपलब्धि का आकलन करते हुए किया जाता है। वर्ष 2015 में 7 शिक्षक को राज्य-स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। सम्मान स्वरूप शिक्षकों को 25 हजार की नगद राशि, शॉल-श्रीफल और प्रशस्ति-पत्र भेंट किया गया। जिला-स्तर पर भी शिक्षक पुरस्कार दिये जाने का प्रावधान रखा गया है। समारोह में जन-प्रतिनिधियों की उपस्थिति में चयनित शिक्षक को उनकी उल्लेखनीय सेवा के लिये नगद धनराशि, शॉल-श्रीफल एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया जाता है।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान सामाजिक पुनर्जागरण, बालिका शिक्षा और स्त्री शिक्षा को बढ़ावा देने में सावित्री बाई फुले द्वारा दिये गये योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिये उनके नाम पर पुरस्कार की स्थापना राज्य में की गयी है। यह पुरस्कार कक्षा-एक से आठ तक बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये श्रेष्ठ कार्य करने वाली शिक्षिका को प्रदान किया जाता है। चयनित शिक्षिका को एक लाख रुपये, शाल-श्रीफल से सम्मानित किया जाता है।

गंभीर बीमारी से ग्रस्त शिक्षकों को आर्थिक मदद: प्रदेश में शिक्षक तथा उनके आश्रितों को गंभीर बीमारी के दौरान आर्थिक मदद देने का काम भी शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान के माध्यम से किया जा रहा है। वर्ष 2015-16 में 5 शिक्षक को मदद पहुँचायी गयी। जवाहरलाल नेहरू कैंसर चिकित्सालय भोपाल में शिक्षक वार्ड और शिक्षकों एवं उनके आश्रितों को ठहराने के लिये धर्मशाला का निर्माण केन्द्र सरकार से प्राप्त राशि से किया गया है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिये आर्थिक मदद: प्रदेश के ऐसे शिक्षक, जिनके पुत्र-पुत्री व्यावसायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उन्हें फीस की प्रतिपूर्ति, वित्तीय सहायता के रूप में की जा रही है। वर्ष 2012-13 में करीब 154 शिक्षक के बच्चों की फीस की प्रतिपूर्ति 15 हजार रुपये प्रति शिक्षक के मान से करीब 25 लाख रूपये की मदद देकर की गयी।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

वर्तमान जीवनशैली व खान-पान में बदलाव है मोटापे का मुख्य कारण

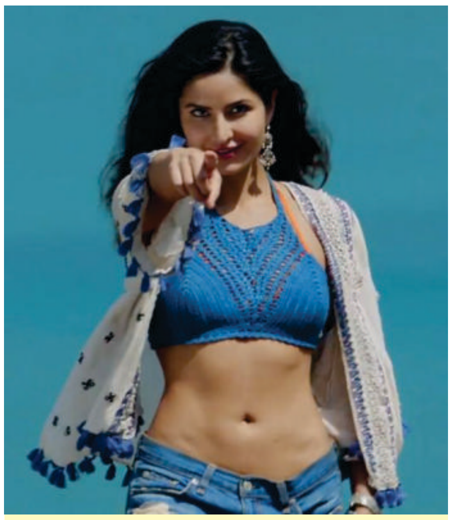

आज के समय मे बिगड़ती हुई जीवनशैली और खान पान में बदलाव है बढ़ते हुए वजन का मुख्य कारण- शायद आप भी यही सोच रहे होंगे की कोई ऐसा शार्ट-कट मिल जाये जिससे कुछ ही दिनों मे आप वापस पहले जैसे स्लिम ट्रिम और सुन्दर हो जाये तो इसके लिए एक बात समझना अतिआवश्यक है।

सही खान-पान, एक सही फिटनेस प्लानः योग, पावर योग, स्विमिंग, साइकिलिंग, रनिंग आदि को साथ में करके ही कुछ बदलाव हासिल किये जा सकते हैं आईये फिल्मी सितारों के वजन कम करने के कुछ फॉर्मूले समझते हैं।

फिल्मी सितारों की इन बातों को अमल करके वजन घटया जा सकता है

1) करीना कपूर: जैसा की आप जानते हैं ये ही वो अभिनेत्री हैं जो अपने जीरो फिगर के लिए सबसे पहले पहचानी गयी इन्होंने ये बड़ी महनत से हासिल किया कई दिनों तक आहार विशेषज्ञ की सलाह को दृढ़ता से फॉलो किया व रोजाना सेलिब्रिटी योग ट्रेनर के तहत पावर योग किया यह एक दिन करना बहुत आसान होता हैं मगर कई महीनों तक रोजाना एक ही तरह के प्लान को करने के लिए अपनी इच्छा शक्ति को मजबूत करना पड़ता हैं जो की बहुत मुश्किल होता है।

2) परिणीता चोपड़ा: अपने वजन को कम करने के लिए परिणिती चोपड़ा ने अच्छे आहार प्लान को फॉलो करने के साथ साथ जॉगिंग, योगा, हॉर्सबैक राइडिंग, स्विमिंग और रनिंग को अपने फिटनेस प्लान का हिस्सा बनाया।

3) अदनान सामी: गायक अदनान सामी पहले 200किलो के थे और इतना ज्यादा वजन होने के कारण बहुत सारी स्वास्थ समस्याओं से घिरे हुए थे उनके पापा ने उन्हें समझाया की अपने पर ध्यान दे व अपने शरीर को एक नया व स्वास्थ रूप दे जिससे वो एक स्वास्थ जीवन शैली जी सके इसके लिए उन्होंने एक आहार विशेषज्ञ की सलाह का पालन किया एक दिन या एक महीना नहीं बल्कि कई सालो तक और धैर्य व अपनी मजबूत इच्छा शक्ति से उसे हासिल भी करके दिखाया हाई प्रोटीन डाइट के साथ साथ कम वसा व बिना शुगर की डाइट कई सालो तक फॉलो की और एक मिसाल बन गए।

4) ऐश्वर्या राय बच्चन: मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय बच्चन जी ने अपनी बेटी को जन्म देने के बाद प्रेगनेंसी के दौरान अपने बड़े हुए वजन को बड़ी अच्छी तरह से धीरे-धीरे कम किया उन्होंने एक अच्छा डाइट प्लान (ब्राउन राइस, ग्रीन लीफी वेजटेबल्स) और छोटे-छोटे आहार नियमित अंतराल में लेके व एक अच्छे फिटनेस प्लान को फॉलो करके अपने वजन को कम किया यह एक दिन का चमत्कार नहीं होता इसके पीछे एक बहुत बड़ा डेडिकेशन और अपनी स्वयं की इच्छा शक्ति होती हैं शामिल।

आईये हम एक अच्छी डाइट को समझते है जो हमें अपने मकसद को पूरा करने मई बहुत ही जरूरी होगी।

1) एक साथ बहुत सारा नहीं खाये
2) हर दो दो घंटे से थोड़ा थोड़ा खाये
3) तरल अनाज व दालों का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करे।
4) पत्तेदार सब्जियों वा साबुत फलों का सलाद के रूप में ज्यादा उपयोग करे।
5) दिन भर में 4-5 छोटी चमच्च तेल का ही उपयोग करे
6) सफेद चीजों के उपयोग से बचे जैसे मैदे, शक्कर, साबूदाना दिन भर की आहार को लेने का तरीका (एक उदाहरण)

1) सुबह उठ के एक कप काली चाय /एलो वेरा जूस/एक गिलास नीबू पानी ले।
2) इसके बाद एक प्लेट कटे हुए विभिन्न तरह के फल ले एवं साथ में एक छोटी कटोरी उपमा या पोहा ले।
3) एक ग्लास गरम मलाई उतरा हुआ दूध ले बिना शक्कर का।
4) खाने मे 1-2 रोटी या दलीया ले /1 कटोरी दाल/ 2कटोरी सलाद /1 कटोरी सब्जी ले।
5) 1 गिलास मठा ले साथ मे मिक्स्ड सलाद ले या तो 1 कप सूप ले सलाद के साथ
6) रात के खाने में दलीया में खूब सारी सब्जियों के साथ कुकर में पका के ले (पतला)।

खान पान के साथ साथ किसी भी तरह का व्यायाम करना बहुत जरूरी है रोजाना दिन मे 30 मिनिट व्यायाम से शुरू कर धीरे-धीरे इसको बड़ा के दिन में दो बार सुबह 30 मिनिट और शाम को 30 मिनिट व्यायाम करें।

ब्यूटी प्रोडक्ट्स की यह सच्चाई जानकर चौंक जाएंगी आप...

क्या आप जानती हैं कि जिस लिपस्टिक, मस्कारा, मॉइश्चराइजर और नेलपॉलिश को आप साथ लेकर घूम रही हैं, हो सकता है, वह अब लगाने लायक ही न बची हो.

दरअसल, ब्यूटी प्रोडक्ट्स की लाइफ इतनी होती नहीं, जितना हम मान लेते हैं और ब्यूटी प्रोडक्ट अगर सस्ते और किफायती दामों पर खरीदे गए हैं, यानी कि लोकल या अनब्रांडेड हैं तो इसकी पूरी गुंजाइश है कि वह और भी जल्दी एक्सपायर हो जाएं. हाल में हुए एक शोध में यह चौंकाने वाले खुलासे किए गए हैं. यह शोध ऑस्ट्रेलियाई संस्था एजलेस क्लीनिक ने किया है. शोध की रिपोर्ट के अनुसार साल दर साल हम एक ही प्रोडक्ट को लगाते रहते हैं, यह जाने बगैर कि वह कितना खतरनाक साबित हो सकता है. शोधकर्ताओं के मुताबिक नेचुरल या ऑर्गेनिक श्रेणी में आने वाले प्रोडक्ट्स के खराब होने की आशंका और ज्यादा होती है.

इसके अलावा ट्यूब में मिलने वाली क्रीम के मुकाबले जार या चौड़े मुंह वाली बोतल में मिलने वाली क्रीम भी जल्दी खराब हो जाती है. दरअसल, जार का मुंह बड़ा होने की वजह से उसमें आसानी से हवा प्रवेश कर जाती है, जबकि ट्यूब में ऐसा नहीं हो पाता. क्रीम में बार-बार उंगली डालने से बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा भी होता है. शोधकर्ताओं की मानें तो एक बार खुलने के बाद ब्यूटी प्रोडक्ट्स का जीवन बहुत कम रह जाता है. इनमें कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स तो बाजार में आने से पहले ही एक्सपायर हो चुके होते हैं. बता दें कि इस श्रेणी में संस्क्रीन भी शामिल है. जिस संस्क्रीन को एक गर्मी से दूसरी गर्मी के मौसम तक आप चलाती हैं, वह दरअसल छह महीने में ही एक्सपायर हो जाती है. सिर्फ आई और लिप पेंसिल की उम्र ही सबसे ज्यादा होती है. मेकअप करने वाली औरतों के बारे में कुछ ऐसा सोचते हैं मर्द: एक्सपायरी डेट पार कर चुके प्रोडक्ट्स त्वचा पर रैशेज, दाने, इंफेक्शन आदि की वजह बन सकते हैं. हो सकता है, उससे मिले घाव का दाग जिंदगी भर रह जाए. ऐसे में ब्यूटी प्रोडक्ट्स खरीदने और लगाने से पहले एक्सपायरी डेट जांचना जरूरी है. प्रोडक्ट्स का जितना जीवन है, उतना ही इस्तेमाल करें.

होठों की खूबसूरती बढ़ा देंगे ये कमाल के टिप्स

आखों की खूबसूरती के बाद सौंदर्य के मामले में सबसे ज्यादा कसीदे नाजुक होंठों पर ही पढ़े गए हैं. होंठ की बनावट आपके चेहरे की सुंदरता में चार चांद लगा देती है.

हाल ही में हुए एक शोध के मुताबिक भरे और मोटे होंठ आपको यंग लुक देते हैं. वहीं पतले होंठ हर किसी के चेहरे की बनावट पर अच्छे लगे जरूरी नहीं. इसलिए अगर आप चाहे तो मेकअप की मदद से अपने होंठों के आकार को बदल कर परफेक्ट लुक पा सकती हैं.

1. होंठों को भरा हुआ दिखाने के लिए आप लिपस्टिक और लिप ग्लॉसेज की मदद ले सकती हैं. क्रीमी टेक्स्चर वाली लिपस्टिक होंठों को एक्स्ट्रा लेयर देती है.
2. लिप ग्लॉस या लिपस्टिक का एक कोट लगाने के बाद इसे दोबारा फिर से लगाएं.
3. लिप कलर लगाने से पहले एक्सफोलिएशन जरूरी है ताकि होंठ चिकने और मुलायम रहें. बाजार में एक्सफोलिएटिंग लिप स्क्रब आसानी से मिल जाता है.
4. लिपस्टिक लगाने से पहले हमेशा कॉस्मेटिक पाउडर होंठ पर लगाएं और फिर लिपकलर लगाएं. इसके बाद टिश्यू पेपर से होंठों को थपथपाएं और दोबारा लिपस्टिक का एक कोट लगाएं.
5. त्वचा व्हीटिश है तो मीडियम टोंस के लिपकलर जैसे पिंक, बेज, पेल पीच और ऑरेंज शेड्स को चुनें.
6. बाल व त्वचा का रंग डार्क है तो डीप टोंस जैसे मैरून, फूशिया, डार्क चॉकलेट, प्लम, वाइन व रूबी कलर चुनें.
7. ऑलिव टोंड वाली त्वचा के लिए वॉयलेट और पेल लैवेंडर कलर अच्छे रहते हैं.

म्यूजियोलॉजी में करियर बनाने के लिए ये चाहिए

संग्रहालय, यानी म्यूजियम्स कलात्मक, वैज्ञानिक और ऐतिहासिक महत्व की वस्तुओं व कलाकृतियों को सहेजकर रखने के लिए बनाए जाते हैं और इनका सुपरविजन करने वाले प्रोफेशनल्स म्यूजियोलॉजिस्ट कहलाते हैं। अगर आपको कलात्मक वस्तुएं और उनके बारे में जानकारी इकट्ठा करना पसंद है, तो म्यूजियोलॉजी आपके लिए बेहतरीन करियर ऑप्शन हो सकता है।

पिछले कुछ वर्षों में म्यूजियम्स का सामाजिक और शैक्षणिक महत्व काफी बढ़ा है, जिससे उनके कॉन्सेप्ट में भी परिवर्तन आए हैं और अब उन्हें ज्यादा कल्पनाशील तरीके से मैनेज किया जाता है। इतिहास और विरासत के संरक्षण के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण आर्ट, मैरीटाइम, आर्कियोलॉजिकल, साइंस एंड टेक्नोलॉजिकल, मिलिट्री और वॉर म्यूजियम्स के प्रबंधन व प्रशासन के लिए प्रोफेशनल्स की मांग बढ़ी है। अगर आपको इतिहास पढ़ना पसंद है, तो म्यूजियोलॉजी आपके लिए अच्छा करियर ऑप्शन है।

क्या है म्यूजियोलॉजी?

म्यूजियम्स और उनमें रखी वस्तुओं को व्यवस्थित व मैनेज करने की पढ़ाई को म्यूजियोलॉजी कहा जाता है। अगर दूसरे शब्दों में कहें, तो म्यूजियोलॉजी एक तरह से म्यूजियम साइंस है, जिसमें म्यूजियम से जुड़े मैनेजमेंट और एडमिनिस्ट्रेशन के बारे में पढ़ाया जाता है। जो लोग म्यूजियम मैनेजमेंट के लिए जिम्मेदार होते हैं, उन्हें म्यूजियोलॉजिस्ट कहा जाता है।

कौन-से कोर्स करें?

म्यूजियोलॉजी में करियर बनाने के लिए आप साइंस, हिस्ट्री, फाइन आर्ट्स या आर्कियोलॉजी में ग्रेजुशन कर सकते हैं। आप चाहें तो आर्काइवल साइंस में बीए या आर्कियोलॉजी व म्यूजियोलॉजी के साथ हिस्ट्री में बीए भी कर सकते हैं। इसके अलावा म्यूजियोलॉजी में कई डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्सेज भी हैं, जो आप कर सकते हैं। आगे इन्हीं विषयों से पोस्ट ग्रेजुएशन और फिर पीएचडी भी कर सकते हैं। अगर आप किसी फॉरेन या क्लासिकल लैंग्वेज जैसे संस्कृत, पर्शियन, अरेबिक, ग्रीक, लैटिन, जर्मन, फ्रैंच व इटैलियन की नॉलेज रखते हैं, तो इस फील्ड में आपको काफी फायदा मिलेगा।

विस्तृत वर्क प्रोफाइल

म्यूजियोलॉजी प्रोग्राम में विद्यार्थियों को क्यूरेशन और एंथ्रोपोलॉजी, आर्ट, बॉटनी, जियोलॉजी, हिस्ट्री और जूलॉजी के कलेक्शन्स को मैनेज करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। म्यूजियोलॉजिस्ट्स म्यूजियम्स में क्यूरेटर्स की तरह काम कर सकते हैं, जहां उन्हें कैटालॉगिंग और म्यूजियम की कलाकृतियों को व्यवस्थित करना होता है। इसके अलावा म्यूजियम आर्टिकल्स को अलगअलग सेक्शन्स में बांटने और उनके बारे में विस्तृत जानकारी देने की अहम जिम्मेदारी भी म्यूजियोलॉजिस्ट की ही होती है। म्यूजियम में आने वाले विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को संदर्भ सामग्री उपलब्ध कराने का और म्यूजियम के प्रशासन व देखरेख का काम भी इन्हें ही करना होता है।

कैसी स्किल्स चाहिए?

यह फील्ड उन विद्यार्थियों को काफी रोमांचक लगेगी, जिन्हें इतिहास में दिलचस्पी है। इस फील्ड में बड़े धैर्य के साथ काम करने की जरूरत होती है। साथ ही आपको देश के दूरस्थ क्षेत्रों में भी यात्रा करनी पड़ सकती है। इसके अलावा अपने काम के प्रति समर्पण और कला को पहचानने की खूबी भी आपमें होनी चाहिए। ध्यान रहे, इस फील्ड में आपको देश में कहीं भी रहकर काम करना पड़ सकता है।

भविष्य की संभावनाएं: हमारे देश में एक हजार से भी ज्यादा म्यूजियम्स उम्मीदवारों को रोजगार ऑफर करते हैं, जिसमें केंद्र सरकार के, जिला स्तर के, ट्रस्ट्स के और प्राइवेट म्यूजियम्स शामिल हैं। आप म्यूजियम डायरेक्टर, क्यूरेटर, एजुकेटर, एक्जिबिट डिजाइनर, आर्काइविस्ट और कन्जर्वेशन स्पेशलिस्ट के तौर पर इस फील्ड में अपना करियर बना सकते हैं। सरकारी क्षेत्र में राज्य व राष्ट्रीय स्तर के म्यूजियम्स जैसे नेशनल म्यूजियम, आरबीआई मॉनीटरी म्यूजियम, सालारजंग म्यूजियम, इंडियन म्यूजियम आदि में काम करने के लिए आपको यूपीएससी व एसएससी की परीक्षा देनी होगी। इसके अलावा आप संस्कृति फाउंडेशंस व बड़े-बड़े कॉर्पोरेट ग्रुप के प्राइवेट म्यूजियम्स में भी काम कर सकते हैं। शोध व शिक्षण के क्षेत्र में जाने के लिए आप नेट व स्लेट परीक्षा भी दे सकते हैं। इस फील्ड में शोधकर्ताओं के लिए भी काफी गुंजाइश है।

बैंक पीओ के लिए इस तरह करें QA की तैयारी

प्रोबेशनरी ऑफिसर (पीओ) की परीक्षा में क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड (क्यूए) एक महत्वपूर्ण सेक्शन होता है। कई विद्यार्थी इसे अनक्रैकेबल सेक्शन भी मानते हैं, लेकिन यह धारणा सही नहीं है। अगर सही मानसिकता व मेहनत से इसकी तैयारी की जाए, तो बेहतरीन स्कोर्स लाए जा सकते हैं। अगर आप भी आईबीपीएस एग्जाम में शामिल होने वाले हैं, तो ऐसे करें मैथ्स की तैयारी ज्यादातर बैंकिंग एस्पिरेंट्स क्वॉन्टिटेटिव एप्टिट्यूड का सिलेबस देखते ही घबरा जाते हैं और उसे जरूरत से ज्यादा हौआ बना देते हैं। उनका यही रवैया परीक्षा में अच्छे स्कोर्स लाने में सबसे बड़ा रोड़ा साबित होता है। बैंक परीक्षा में इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपका एकेडमिक बैकग्राउंड क्या है। अगर आपने प्रैक्टिस के साथ-साथ सही प्लानिंग भी की है, तो इस सेक्शन में आप अच्छा स्कोर कर सकते हैं। जरूरी है प्लानिंग: तैयारी के लिए सही प्लानिंग बहुत जरूरी है। इसके लिए सबसे पहले तो आप एक सूची बनाएं, जिसमें अपने हिसाब से मैथ्स के मुश्किल और आसान टॉपिक्स लिखें। जो टॉपिक्स आपको ज्यादा आसान लगते हैं, उनके हर लेवल के प्रश्न हल करें और रोज 1 घंटा सिर्फ ईजी टॉपिक्स का रिविजन करें। जो टॉपिक्स आपको कठिन लगते हैं, उनके बेसिक लेवल के प्रश्न हल करें। इसके लिए आप 7वीं या 8वीं क्लास की मैथ्स बुक्स की मदद लें। बेसिक लेवल से तैयारी करते हुए कठिन प्रश्नों पर आएं। ऐसे टॉपिक्स की प्रतिदिन 2 घंटे प्रैक्टिस जरूर करें। इस तरह दिन में 3-4 घंटे प्रतिदिन मैथ्स की प्रैक्टिस करने से कॉम्पिटिशन को लेकर आपका फोबिया कम होगा और परीक्षा में आप अच्छा स्कोर ला पाएंगे।

स्पीड बढ़ाएं: बैंकिंग की परीक्षा में स्पीड काफी मायने रखती है। इसलिए जब भी स्पीड टेस्ट्स दें या ऑफलाइन पिछले वर्षों के पेपर्स हल करें, तो स्पीड बढ़ाने पर जोर दें। अब तो आईबीपीएस ने हर सेक्शन के लिए अलग समय निर्धारित किया है और परीक्षार्थियों को उसी समय सीमा में प्रश्न हल करने हैं। साफ है कि परीक्षा में स्पीड का महत्व रहेगा।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

SUKHWANT SINGH CLASSES
(RUN BY SUKHWANT SIR EX FACULTY
SUPER-30 PATNA GROUP)
TEACHING SINCE 1984
Exclusively for CBSE/ISC
XI, XII-IIT
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Focused & Comprehensive Study Material
● Maths & Physics by Sukhwant Sir
● Chemistry by eminent faculty
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
● Morning Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● New Evening Batch For 12th Cum IIT/AIIMS 3rd April
● 11th Cum IIT/AIIMS 10th April
● Weekend Morning Batch for 12th Board 3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9479955649, 9424312779

जानें, क्या कहते हैं चेहरे- शरीर के तिल और इनका महत्व..

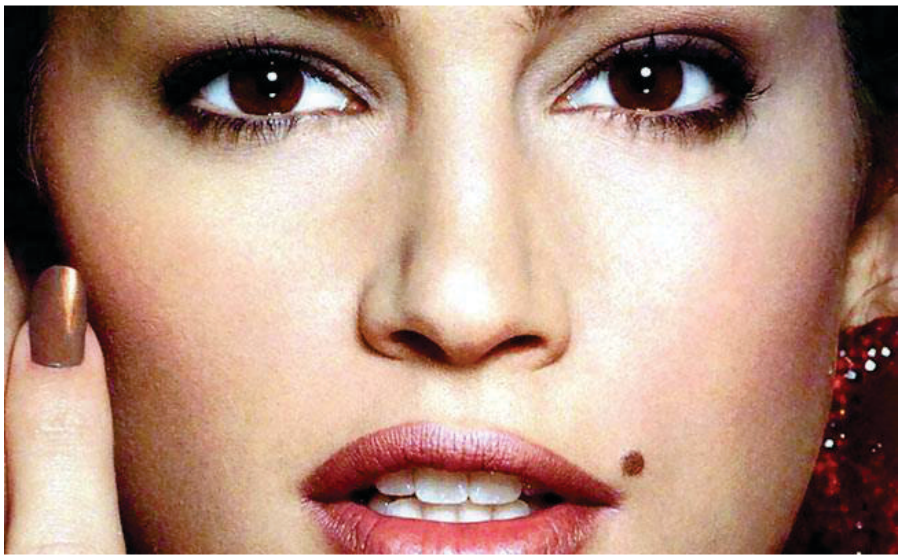

अक्सर हम अपने शरीर के अलग अलग अंगों पर काला या लाल सा बिंदु देखते हैं जिसे हम तिल कहते हैं. यहां जानें, जीवन में क्या है तिलों का महत्व और शरीर के अंगो पर पाए जाने वाले तिल को लेकर क्या कहती हैं मान्यताएं। कुछ लोग तिल को शुभ मानते हैं तो कुछ लोग तिल में अपना चमकता हुआ भाग्य तलाशते हैं. लेकिन सच्चाई तो ये है कि हर तिल कुछ कहता है. आमतौर पर तो तिल काले ही होते हैं लेकिन कुछ लोगों में तिल के निशान लाल भी होते हैं।

आइए जानें, तिलों से जुड़ी कुछ खास बातें और सच्चाई...

शरीर पर तिलों का रहस्य

- ❖ चेहरे पर तिल के अलग-अलग अर्थ होते हैं.
- ❖ चेहरे के तिल का सीधा संबंध आपके भाग्य से होता है.
- ❖ गालों पर तिल का होना आपकी आकर्षण क्षमता को मजबूत करता है.
- ❖ चेहरे पर मौजूद तिल धन लाभ कराता है.
- ❖ नाक पर तिल का होना व्यक्ति को बहुत ज्यादा अनुशासित बना देता है.
- ❖ ऐसे लोगों के जीवन में संघर्ष बढ जाता है.
- ❖ नाक के नीचे तिल का होना बताता है कि व्यक्ति के ढेर सारे चाहने वाले हैं.
- ❖ लेकिन ऐसे लोग कम लोगों से ही लगाव रखते हैं.
- ❖ माथे पर तिल बताता है कि आप शुरुआत में खूब संघर्ष करेंगे.
- ❖ माथे पर तिल संघर्ष के बाद धनवान बनाता है.
- ❖ होंठों पर तिल होना बताता है कि आप बहुत ज्यादा प्रेमी स्वभाव के हैं.
- ❖ ऐसे लोगों को रोज प्रेम होता रहता है.

शरीर के दूसरे हिस्से पर तिल का अर्थ

- ❖ हाथ के अगर बीचो-बीच तिल हो जो किसी पर्वत पर ना हो तो ये सम्पन्नता देता है.
- ❖ अगर ये तिल पर्वत पर या अंगुलियों पर हो तो दुर्भाग्य का कारण बनता है.
- ❖ पैरों के तलवे का तिल हमेशा व्यक्ति को घर से दूर ले जाता है और बड़ी सफलता देता है.
- ❖ सीने पर तिल का होना ये बताता है कि व्यक्ति को पारिवारिक बाधाओं का सामना करना पड़ेगा.
- ❖ पेट पर तिल व्यक्ति को धन तो देता है पर स्वास्थ्य ख़राब करता है.
- ❖ तिल पर बाल हो तो वो शुभ नहीं माना जाता.
- ❖ तिल यदि बड़ा हो, तो शुभ होने के साथ शगुन बढ़ाता है.
- ❖ तिल गहरे रंग का हो, तो माना जाता है कि बड़ी बाधाएं सामने आएंगी.
- ❖ हल्के रंग का तिल सकारात्मक विशेषता का सूचक माना जाता है.

लाल तिल और इसका अर्थ

काले तिलों के अलावा शरीर पर लाल तिल भी होते हैं. ज्योतिष के जानकारों की मानें तो लाल तिलों का अपना अलग महत्व है और ये अपनी मौजूदगी के हिसाब से ही प्रभाव देते हैं.

आइए आपको लाल तिल से होने वाले प्रभाव के बारे में बता देते हैं...

- ❖ लाल तिल सम्पन्नता और दुर्भाग्य दोनों का प्रतीक होता है.
- ❖ अगर ये चेहरे पर हो तो वैवाहिक जीवन और पारिवारिक जीवन में दुर्भाग्य लाता है.
- ❖ अगर ये बाहों पर हो तो आर्थिक मजबूती लाता है.
- ❖ अगर ये सीने पर हो तो व्यक्ति विदेश जाता है.
- ❖ सीने पर लाल तिल होने से व्यक्ति खूब धन कमाता है.
- ❖ अगर लाल तिल पीठ पर हो तो सेना या साहस के क्षेत्र में सफलता मिलती है.

तिल बताएगा आपसे जुड़ी हर बात

ज्योतिष के जानकारों के मुताबिक किसी भी व्यक्ति के शरीर पर 12 से ज्यादा तिल होना अच्छा नहीं माना जाता है. 12 से कम तिलों का होना शुभ फलदायक है लेकिन शरीर के हर हिस्से पर मौजूद तिल का महत्व अलग होता है. शरीर पर पाए जाने वाले मस्सों का भी तिल के समान ही फल होता है.

पुरुषों के शरीर पर दाहिनी ओर तिल होना शुभ और लाभकारी माना गया है. जबकि महिलाओं के बायीं तरफ वाले तिल शुभ और लाभकारी माने जाते हैं. अगर किसी महिला के सीने पर तिल हो तो वो सौभाग्यवती होती है. इसी तरह इंसान के अलग-अलग अंगो पर मौजूद तिल कुछ ना कुछ कहता है.

हर एक तिल कुछ कहता है

- ❖ माथे के मध्य भाग में तिल निर्मल प्रेम की निशानी है.
- ❖ माथे के दाहिने तरफ का तिल किसी विषय विशेष में निपुणता का प्रतीक है.
- ❖ माथे के बायीं तरफ का तिल फिजूलखर्ची का प्रतीक होता है.
- ❖ दोनों भौंहो पर तिल हो तो जातक अक्सर यात्रा करता रहता है.
- ❖ दाहिनी भौंह पर तिल सुखमय और बायीं पर तिल दुखमय दांपत्य जीवन का संकेत देता है.
- ❖ आंख की दायीं पुतली पर तिल हो तो व्यक्ति के विचार उच्च होते हैं.
- ❖ आंख की बायीं पुतली पर तिल हो तो विचार ठीक नहीं होते हैं.
- ❖ आंख की पुतली पर तिल वाले लोग भावुक होते हैं.
- ❖ आंख की पलकों पर तिल हो तो जातक संवेदनशील होता है.
- ❖ दायीं पलक पर तिल वाले बायीं वालों की अपेक्षा अधिक संवेदनशील होते हैं.
- ❖ दायीं आंख पर तिल स्त्री से मेल होने का संकेत है.
- ❖ बायीं आंख पर तिल स्त्री से अनबन होने का आभास देता है.
- ❖ कान पर तिल व्यक्ति के अल्पायु होने का संकेत देता है.
- ❖ नाक पर तिल हो तो व्यक्ति प्रतिभा संपन्न और सुखी होता है.
- ❖ महिलाओं की नाक पर तिल उनके सौभाग्यशाली होने का सूचक है.
- ❖ होंठ पर तिल वाले व्यक्ति बहुत प्रेमी ह्रदय होते हैं.
- ❖ यदि तिल होंठ के नीचे हो तो गरीबी छाई रहती है.

शरीर पर तिल का महत्व

शरीर पर तिल के निशान को लेकर अनेक प्रकार की धारणाएं हैं. ये भी कहा जाता है कि शरीर के जिस हिस्से पर तिल होता है, वहां व्यक्ति को पूर्व जन्म में कोई चोट लगी होती है. इस तरह की कई बातें तिल के बारे में प्रचलित हैं. आइए जानें, शरीर के और हिस्सों पर मौजूद तिल के बारे में...

- ❖ मुखमंडल के आसपास का तिल स्त्री और पुरुष दोनों के सुखी संपन्न और सज्जन होने के सूचक होते हैं.
- ❖ मुंह पर तिल व्यक्ति को भाग्य का धनी बनाता है.
- ❖ दाएं कंधे पर तिल का होना दृढ़ता का सूचक है.
- ❖ बाएं कंधे पर तिल का होना तुनकमिजाजी का सूचक होता है.
- ❖ दाहिनी भुजा पर तिल वाले जातक प्रतिष्ठित और बुद्धिमान होते हैं.
- ❖ बायीं भुजा पर तिल हो तो व्यक्ति झगड़ालू होता है.
- ❖ जिसके हाथों पर तिल होते हैं वो चालाक होता है.
- ❖ दायीं हथेली पर तिल हो तो बलवान और दायीं हथेली के पृष्ठ भाग में हो तो धनवान होता है.
- ❖ बायीं हथेली पर तिल हो तो जातक खर्चीला और बायीं हथेली के पृष्ठ भाग पर तिल हो तो कंजूस होता है.
- ❖ अंगूठे पर तिल हो तो व्यक्ति कार्यकुशल, व्यवहार कुशल और न्यायप्रिय होता है.

गले पर तिल वाला जातक आरामतलब होता है.

शरीर पर तिल का महत्व

ज्योतिष के जानकारों की मानें तो शरीर पर पाए जाने वाले इन निशानों से भविष्य का विश्लेषण किया जाता है. शरीर के किसी भी अंग पर तिल होना एक अलग संकेत देता है.

- ❖ जबड़े पर तिल हो तो स्वास्थ्य की अनुकूलता और प्रतिकूलता निरंतर बनी रहती है.
- ❖ दाएं कंधे पर तिल का होना दृढ़ता सूचक है.
- ❖ कोहनी पर तिल का पाया जाना विद्वता का सूचक है.
- ❖ माथे पर तिल होने से व्यक्ति बलवान होता है.
- ❖ दाहिनी आंख पर तिल से स्त्री से प्रेम बढ़ता है.
- ❖ गाल पर लाल तिल शुभ फल देता है.
- ❖ बाएं गाल पर कृष्ण वर्ण तिल व्यक्ति को निर्धन बनाता है.
- ❖ दाएं गाल पर धनी बनाता है.
- ❖ होंठ पर तिल वाले व्यक्ति बहुत प्रेमी ह्रदय होते हैं.
- ❖ दाहिनी भुजा पर तिल आदर सम्मान दिलाता हैं.
- ❖ बायीं भुजा पर तिल हो तो व्यक्ति झगड़ालू होता है.
- ❖ ऐसे व्यक्ति का सर्वत्र निरादर होता है.
- ❖ नाक पर तिल हो तो व्यक्ति प्रतिभासंपन्न और सुखी होता है.
- ❖ महिलाओं की नाक पर तिल उनके सौभाग्यशाली होने का सूचक है.

उंगली पर तिल का महत्व

- ❖ अंगूठे पर तिल हो तो व्यक्ति कार्यकुशल, व्यवहार कुशल और न्यायप्रिय होता है.
- ❖ जिसकी तर्जनी पर तिल हो, वो विद्यावान, गुणवान और धनवान किंतु शत्रुओं से पीडति होता है.
- ❖ मध्यमा पर तिल उत्तम फलदायी होता है.
- ❖ ऐसे लोग सुखी रहते हैं और उनका जीवन शांतिपूर्ण होता है.
- ❖ जिसकी अनामिका पर तिल हो तो वो ज्ञानी, यशस्वी, धनी और पराक्रमी होता है.
- ❖ कनिष्ठा पर तिल हो तो व्यक्ति संपत्तिवान होता है, किंतु उसका जीवन दुखमय होता है.

बाहुबली 2 द कॉन्क्लूज़न - फिल्म समीक्षा

भोपाल, अजय सिसौदिया (फिल्म समीक्षक)

2 साल पहले आई फिल्म बाहुबली के दूसरे पार्ट का इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे हैं. वजह साफ है कि डायरेक्टर एस.एस. राजमौली की इस फिल्म के जरिए दर्शक ने इंडियन सिनेमा की वो झलक देखी जो पहले कभी नहीं देखी गई थी. फिल्म बाहुबली एक्शन, विसुअल और स्टंट के मामले में किसी भी हॉलीवुड फिल्म से कम नहीं थी. कटप्पा

ने बाहुबली को क्यों मारा था? यह राष्ट्रीय प्रश्न 'बाहुबली' के पहले भाग ने दर्शकों के सम्मुख छोड़ा था। तब से इसका जवाब खोजा जा रहा है जो 'बाहुबली: द कॉन्क्लूज़न' में मिलता है।

बाहुबली को के विजयेन्द्र प्रसाद ने लिखा है। इसकी कहानी रामायण और महाभारत से प्रेरित है। फिल्म के कई किरदारों में भी आप समानताएं खोज सकते हैं। महिष्मति के सिंहासन के लिए होने वाली इस लड़ाई में षड्यंत्र, हत्या, वफादारी, सौगंध, बहादुरी, कायरता जैसे गुणों और अवगुणों का समावेश है, जिनकी झलक हमें लगातार सिल्वर स्क्रीन पर देखने को मिलती है।

निर्देशक एस राजामौली ने इन बातों को भव्यता का ऐसा तड़का लगाया है कि लार्जर देन लाइफ होकर यह कहानी और किरदार दर्शकों को रोमांचित कर देते हैं। कहानी ख़ास नही है, लेकिन जिस तरह से इसे पेश किया गया है वो प्रशंसा के योग्य है। फिल्म की स्क्रिप्ट बेहतरीन है और इसमें आने वाले उतार-चढ़ाव लूगातार मजा देते रहते हैं। हर दृश्य को बेहतर और भव्य बनाया गया है और फिल्म में कई दृश्य ऐसे हैं जो ताली और सीटी के लायक हैं।

निर्देशक के रूप में एसएस राजामौली की पकड़ पूरी फिल्म पर नजर आती है। उन्होंने दूसरे भाग को और भव्य बनाया है। एक गाने में जहाज आसमान में उड़ता है वो डिज्नी द्वारा निर्मित फिल्मों की याद दिलाता है। कॉमेडी, एक्शन, रोमांस और ड्रामे का उन्होंने पूरी तरह संतुलन बनाए रखा है। जो आशाएं उन्होंने पहले भाग से जगाईं उस पर खरी उतरने की उन्होंने यथासंभव कोशिश की है। एक ब्लॉकबस्टर फिल्म कैसे बनाई जाती है ये बात वे अच्छी तरह जानते हैं और दर्शकों के हर वर्ग के लिए उनकी फिल्म में कुछ न कुछ है।

फिल्म की कहानी आज के समाज को ध्यान में रखते हुए काफी रिलेवेंट है. वो समाज जहां नारी का दर्जा पुरुष के सामान माना नहीं जाता वहाँ ये कहानी एक 'फेमिनिस्ट' सोच को बढ़ावा देती है, अनुष्का द्वारा अभिनीत देवसेना का किरदार एक परफेक्ट फेमिनिस्ट किरदार है. वो सीता भी है और द्रौपदी भी, वो धर्म, शस्त्र और शास्त्र में तो पारंगत है ही साथ ही वो निडर है. सही मायनों में कहें तो यही इस फिल्म का असल बाहुबली किरदार है। शिवागामी के किरदार में रम्या और देवसेना के किरदार में अनुष्का ने इतना ज़बरदस्त अभिनय किया है की अब आगे उनके लिए इन किरदारों से बेहतर कुछ कर पाना काफी मुश्किल होने वाला है. राणा और प्रभास तो बढ़िया हैं ही पर इस फिल्म से अगर कोई किरदार अमर हो जाता है तो वो हैं कटप्पा का किरदार अदा करने वाले सत्यराज, उनको स्टैंडिंग ओवेशन.

इस फिल्म में गलतियां निकालना बड़ा मुश्किल काम है, एक्शन इसका हाई पॉइंट है खासकर फिल्म के एंड में, कहीं कहीं ये थोडा अनरीयलिस्टिक है, पर ये एक फेंटेसी फिक्शन फिल्म है, कोई रीयलिस्टिक फिल्म नहीं इसलिए इस बात को आसानी से नज़रंदाज़ किया जा सकता है. फ़िल्म के गीत बेवजह रखे हुए लगते हैं. गाने लम्बे और खींचे हुए मालूम होते हैं. गीत-संगीत फ़िल्म का सबसे हल्का पक्ष है. फ़िल्म के बेहतरीन क्लाइमेक्स और एक्शन सीन के बीच यह गाने अपनी छाप नहीं छोड़ पाते.

आप अगर भारतीय कलाकारों से सजी एक ऐसी फिल्म देखना चाहते है जो किसी भी मुकाबले से हॉलीवुड फिल्मों से कम ना हो तो आपको बाहुबली 2 जरूर देखनी चाहिए. बाहुबली 2 भव्य और बेहतरीन है। पहले भाग को मैंने तीन स्टार दिए थे क्योंकि आधी फिल्म को देख ज्यादा कहा नहीं जा सकता। पूरी फिल्म देखने के बाद 3.5 स्टार इसलिए क्योंकि ब्लॉकबस्टर मूवी ऐसी होती है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)